सामाजिक परिवर्तन
SOCIAL CHANGE

B.Ed प्रथम सेमेस्टर-2021-22

सामाजिक परिवर्तन का अर्थ - 'बदलाव' अर्थात् पहले की स्थिति में 'बदलाव' पहले की स्थिति और आज की स्थिति में आने जाने वाला अन्तर या बदलाव ही सामाजिक परिवर्तन कहलाता है।
सामाजिक संगठन, सामाजिक ढाँचे, सामाजिक सम्बन्धों या समाज के रहन-सहन के ढंग, रीति-रिवाजों, मूल्यों और विश्वासों आदि में जो अन्तर आ जाता है, वह सामाजिक परिवर्तन कहलाता है।

मैकाइवर एण्ड पेज - (सोसाइटी नामक पुस्तक) "सामाजशास्त्री होने के नाते हमारी विशेष रुचि प्रत्यक्ष रूप से सामाजिक सम्बन्धों में है। सामाजिक संरचना या सम्बन्धों में होने वाले परिवर्तन को ही सामाजिक परिवर्तन कहते हैं"।

किंग्सले डेविस (ह्यूमन सोसाइटी) नामक पुस्तक - सामाजिक संरचना तथा उसके कार्यों में होने वाले परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहते हैं।

स्पष्ट रूप में - समय के साथ-साथ प्रत्येक समाज, सामाजिक संगठन, संस्था विभिन्न सामाजिक प्रक्रियाओं में जो परिवर्तन होता है, उसे सामाजिक परिवर्तन कहते हैं।

सामाजिक परिवर्तन की प्रकृति (Nature of Social change)

ब्राउन के अनुसार - "सामाजिक परिवर्तन तथा सांस्कृतिक परिवर्तन में कोई अन्तर नहीं है। उसका विश्वास है कि सांस्कृतिक परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन का ही एक महत्वपूर्ण अंश है।"

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

AKHILESH YADAV
(B.Ed. M.Ed BHU)

- चांपित ने सांस्कृतिक परिवर्तन को तीन भागों में विभाजित किया है।

(A) भौतिक सांस्कृतिक (material culture)

(B) अभौतिक सांस्कृतिक (Non-material culture)

(C) संयुक्त सांस्कृतिक (composite culture)

स्पेन्सर के अनुसार- सामाजिक परिवर्तन का समरूप (uniform) धीरे-धीरे तथा प्रगतिशील होते हैं।

जिस प्रकार मनुष्य का सन्तोषजनक स्थिति से अधिक सन्तोषजनक स्थिति की ओर बढ़ते हैं। ठीक उसीप्रकार सामाजिक परिवर्तन को भी विकास की निश्चित अवस्थाओं में होकर आगे बढ़ना पड़ता है।

अन्ततः आधुनिक समाज की मुख्य विशेषता सामाजिक परिवर्तन की गतिशील प्रक्रिया है। एक परम्परागत समाज में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया बहुत धीमी है आधुनिक समाज में इतनी तेजी के साथ परिवर्तन हो रहा है कि शिक्षा पद्धति को नवीनतम परिवर्तन के साथ तारतम्य स्थापित करना पड़ रहा है

सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ
'characteristics of Social change'

① सामाजिक परिवर्तन, प्रत्येक समाज में सार्वभौमिक तथा सर्वव्यापी रूप में पाया जाता है।

② यह समय के साथ-साथ चलता है

③ यह स्थायी न होकर निरन्तर गतिशील होता है।

④ सामाजिक परिवर्तन अमूर्त होता है

⑤ यह एक जटिल प्रक्रिया है इसका विकास होने में समय लगता है

⑥ इसका सम्बन्ध वैज्ञानिक जागरूकता से होता है

⑦ यह प्रत्येक समाज में समान रूप से नहीं पाया जाता है। इसका स्तर कभी ऊँचा होता है, कभी नीचा होता है। आदिवासी समाज में इसका स्तर निम्न होता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया
(Process of social change)

① व्यक्ति के अनुभवों में परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया है।

② सामाजिक संरचना में परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया का भाग है।

③ व्यक्ति के विचारों एवं स्वभाव में परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया है।

सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त
(Theory of social change)

Ⓐ रेखीय सिद्धान्त 'Liner theory' कॉम्टे ने सामाजिक परिवर्तन को बौद्धिक विकास का परिणाम बताया और बौद्धिक विकास की 3 अवस्थाएँ बतायी

Ⓐ धार्मिक अवस्था Ⓑ तात्विक अवस्था Ⓒ वैज्ञानिक अवस्था

② चक्रीय सिद्धान्त 'cyclical theory' टायनबी के अनुसार 'समाज में परिवर्तन व्यक्ति की आन्तरिक आध्यात्मिक शक्ति का कारण आता है

स्पेंगलर ने सामाजिक परिवर्तन के तीन चरण बताये -

Ⓐ जन्म Ⓑ परिपक्वता, और Ⓒ अन्त जो समाज में परिवर्तन लाने के लिए अनिवार्य है

जिस प्रकार प्रतिदिन सूर्योदय, मध्याह्न संध्या और रात्रि होती है ठीक उसी प्रकार सामाजिक परिवर्तन भी होते है जिस प्रकार जन्म-मृत्यु का क्रम चलता रहता है। वस्तुओं का क्रम चलता है इसी प्रकार

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

समाज में घटनाओं का क्रम चलता रहता है

सामाजिक परिवर्तन के कारक / कारण
'factors causes of social change'

(1) प्राकृतिक या भौतिक कारक

(2) जैविकीय कारक

(3) जनसंख्यात्मक कारक

(4) सांस्कृतिक कारक - संस्कृति के अन्तर्गत - धर्म, विचार, नैतिकता, विश्वास
प्रथा, परम्परा इत्यादि

(5) आर्थिक कारक
कार्ल मार्क्स - ने सामाजिक परिवर्तन में आर्थिक कारक पर विशेष जोर दिया
"सामाजिक परिवर्तन का सम्पूर्ण इतिहास वर्ग संघर्ष का ही इतिहास है"

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

AKHILESH YADAV
B.Ed. M.Ed (BHU)